मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
वर्ष : 44 ■ अंक : 45 ■ बुधवार 22 अप्रैल 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

आलिया भट्ट के नाम पर पाकिस्तान में फर्जीवाड़ा

महापौर निकम की सांसद शिंदे के साथ महत्वपूर्ण बैठक

■ **शहर विकास के मुद्दे पर हुई चर्चा**

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में विकास कार्य को गति देने के लिए महापौर अश्विनी कमलेश निकम ने सांसद श्रीकांत शिंदे के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर शहर के प्रमुख मुद्दे उठाएं। जिसमें शहर में 5 नए पार्क बनाना, सीमेंट कांक्रीट रोड बनाना, प्रधानमंत्री आवास योजना लागू करना, पानी के खुद के स्त्रोत बनाने पर चर्चा, सांसद कार्यालय में एम्बुलेंस सर्विस शुरू करना, नई सब्जी मंडी बनाना, सभी स्कूलों को अंग्रेजी मीडियम में बदलने पर चर्चा हुई साथ ही एमएमआरडीए द्वारा सड़कों के विकास के कामों पर भी चर्चा की गई। इस सकारात्मक चर्चा के दौरान शिवसेना गट नेता अरुण आशान व शिवसेना नेता कमलेश निकम मौजूद थे। इन प्रमुख मुद्दों पर जल्द ही कार्य शुरू किया जाएगा।

बदलापुर मेट्रो-14 फिर से पटरी पर

■ **सबसे बड़ी मेट्रो लाइन के लिए टेंडर**

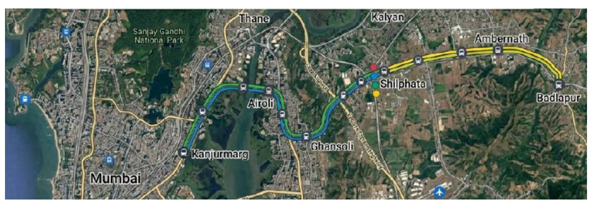

कल्याण. मुंबई मेट्रोपॉलिटन एरिया की सबसे बड़ी और सबसे ज़्यादा ट्रैफिक वाली कांजुरमार्ग से बदलापुर लाइन बनाने के लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट का फिर से रिव्यू किया जाएगा. रिपोर्ट पहले ही तैयार कर ली गई थी. इसके रिव्यू के साथ ही बजट, सर्वे और टेंडर प्रोसेस समेत दूसरे कामों के लिए एक एक्सपर्ट कंसल्टेंट भी रखा जाएगा.

यह मेट्रो लाइन मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई जैसे अलग-अलग मेट्रो को जोड़ने वाली अकेली मेट्रो लाइन है. इसलिए, अब इस लाइन के काम को प्राथमिकता दी जा रही है. इसके लिए मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (MMRDA) ने टेंडर मंगाए हैं.

मुंबई मेट्रोपॉलिटन एरिया में मेट्रो नेटवर्क अब ठाणे शहर से आगे बढ़ रहा है. इनमें सबसे पहले कल्याण में ठाणे - भिवंडी - कल्याण, मेट्रो 5, और कल्याण से तलोजा मेट्रो 12 का काम चल रहा है. इसके साथ ही, मेट्रो-14 कल्याण से आगे जाने वाली पहली मेट्रो हो सकती है. MMRDA ने कांजुरमार्ग से बदलापुर तक मेट्रो को तेज़ी से चलाने के लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रिव्यू के लिए टेंडर मंगाए हैं. MMRDA ने 2019 में मे. मेट्रो मिलानो कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड को अपॉइंट किया था.

कंसल्टेंट्स ने MMRDA को एक फिजिबिलिटी रिपोर्ट सबमिट की थी. MMRDA ने रिव्यू के लिए फिजिबिलिटी रिपोर्ट IIT मुंबई को सबमिट की थी. उसके बाद, IIT मुंबई ने फिजिबिलिटी रिपोर्ट पर अपनी राय दी. दिसंबर 2025 में, MMRDA ने यह कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट कैंसिल कर दिया था. इसलिए, अब इस रिपोर्ट का फिर से रिव्यू किया जाएगा.

मेट्रो 14 के लिए, टेक्नो-इकोनॉमिक फिजिबिलिटी स्टडी का रिव्यू, प्रोजेक्ट रिपोर्ट का रिव्यू, डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट, डिटेल्ड बजट, टेंडर डॉक्यूमेंट्स तैयार करने के लिए अलग-अलग सर्वे, साथ ही टेंडर प्रोसेस के मैनेजमेंट के लिए एक्सपर्ट कंसल्टेंट्स अपॉइंट किए जाएंगे.

मेट्रो रूट 14 कैसा है?

- यह रूट कांजुरमार्ग से जोवेली गांव, बदलापुर तक होगा.
- रूट की कुल लंबाई - 43.69 km
- प्रस्तावित स्टेशनों की संख्या - 24
- (कांजुरमार्ग में एक अंडरग्राउंड स्टेशन).
- मेट्रो स्ट्रक्चर - 6 डिब्बे की मेट्रो ट्रेन
- डिज़ाइन स्पीड - 90 kmph
- ट्रैफिक की औसत स्पीड - 55 kmph

यह रूट क्यों ज़रूरी है

- मेट्रो 14 अलग-अलग स्टेज पर अलग-अलग रूट से मिलेगी. इससे इस रूट की अहमियत बढ़ जाती है.
- कांजुरमार्ग पर मेट्रो 4 और 6 के साथ इंटरचेंज
- घनसोली में ट्रांस-हार्बर सबअर्बन रेलवे के साथ रेलवे का कनेक्शन
- कल्याण के ग्रोथ सेंटर यानी कटाई नाका पर मेन कल्याण शिल्फाटा रोड और वसई-पनवेल रेलवे के साथ इंटरचेंज
- हेडुटने में मेट्रो 12 (कल्याण तलोजा) इंटरचेंज
- बदलापुर में मेट्रो 5A (संभावना) और सेंट्रल रेलवे की सबअर्बन लाइन के साथ कनेक्शन

रिक्शा ड्राइवर को बेहोशी की दवा देकर लूटा

उल्हासनगर. वीनस चौक इलाके में दो बदमाशों ने एक रिक्शा ड्राइवर को कोल्ड ड्रिंक में बेहोशी की दवा देकर 32,000 रुपये लूट लिए। इस बारे में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

बदलापुर वेस्ट के रहने वाले तानाजी नाथू ओढरे (42) रिक्शा चलाकर अपना गुज़ारा करते हैं। 13 अप्रैल, 2026 को दोपहर करीब 1:30 बजे उन्हें उल्हासनगर कैंप 4 में बैंक ऑफ बड़ौदा के पास वीनस चौक पर रोका गया। इसी समय दो अनजान लोग उनके पास आए और उन्हें भरोसे में लेकर फैंटा पिला दिया। कोल्ड ड्रिंक में बेहोशी की दवा मिली होने की वजह से ओढरे कुछ ही देर में बेहोश हो गए। जैसे ही यह कन्फर्म हुआ कि ओढरे बेहोश हैं, दोनों आरोपी उनके गले से 30,000 रुपये की सोने की चेन और जेब से 2,000 रुपये कैश लेकर भाग गए, कुल 32,000 रुपये। इस घटना के दोनों आरोपियों की उम्र लगभग 45 से 50 साल के बीच है, उनमें से एक के माथे पर पुराना घाव है जबकि दूसरे ने मूंछें बढ़ा ली हैं। विट्ठलवाड़ी पुलिस ने इस मामले में इंडियन पीनल कोड की धारा 123, 318 (4) और 3(5) के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस सब-इंस्पेक्टर अरुण डाबले इस क्राइम की आगे जांच कर रहे हैं।

दो सीनियर पुलिस अधिकारियों पर गिरी गाज

■ **ग्रामीण पुलिस अधिक्षक ने की कार्रवाई**

■ **रायता पुल पर भीषण एक्सीडेंट मामला**

कल्याण. कल्याण-मुरबाड हाईवे पर रायते में हुए भयानक एक्सीडेंट के बाद आखिरकार प्रशासन ने एक्शन लिया है। ठाणे ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक स्वामी ने इस मामले में कल्याण तालुका पुलिस स्टेशन के दोनों सीनियर पुलिस इंस्पेक्टरों का ट्रांसफर कर दिया है। शाहपुर पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर ढगे को टिटवाला पुलिस स्टेशन में सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है.

पंकज गिरी ने कुछ महीने पहले टिटवाला पुलिस स्टेशन का चार्ज संभाला था। हालांकि, टिटवाला पुलिस स्टेशन पर कल्याण-उल्हासनगर, मुरबाड और शाहपुर तालुका के करीब 68 गांवों का बोझ है। बड़े पैमाने पर शहरीकरण और रूरल इलाकों में आबादी बढ़ने की वजह से टिटवाला पुलिस स्टेशन पर बोझ बढ़ गया है। इसके अलावा, ठाणे रूरल पुलिस में कोई अलग ट्रैफिक विंग न होने की वजह से रोड एक्सीडेंट का बोझ भी लोकल पुलिस पर पड़ता है। चार्ज संभालने के बाद गिरी ने क्राइम कंट्रोल करने की कोशिश की। लेकिन, काम के स्ट्रेस की वजह से उनकी तबीयत खराब हो गई और वे मेडिकल लीव पर चले गए। उनकी गैरमौजूदगी में दादासाहेब ऐडके को ऑफिसर-इन-चार्ज के तौर पर ज़िम्मेदारी सौंपी गई।

इस दौरान रायते ब्रिज पर एक भयानक एक्सीडेंट हुआ और 11 बेकसूर लोगों की जान चली गई। शुरुआती जांच में ओवरलोडिंग, तेज़ रफ़्तार, गलत ओवरटेकिंग और सड़क पर रुकावटें सामने आईं। इस वजह से ठाणे रूरल पुलिस सुपरिटेंडेंट स्वामी ने टिटवाला पुलिस स्टेशन के दोनों सीनियर पुलिस अधिकारियों को हटा दिया।

इस एक्सीडेंट की वजह बनने वाले कई गंभीर मामले सामने आने के बावजूद, ठाणे सिटी पुलिस ट्रैफिक डिपार्टमेंट और RTO अधिकारियों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया है। इसलिए, किसका बोझ किसके कंधों पर डाला जा रहा है? कल्याण मुरबाड इलाके में यही चर्चा है। RTO, सिटी ट्रैफिक पुलिस और हाईवे पुलिस के खिलाफ भी ऐसी ही एक्शन की उम्मीद की जा रही है।

तेज़ रफ़्तार रिक्शा की टक्कर से बुज़ुर्ग महिला की मौत

कल्याण. डोंबिवली ईस्ट में शेलार नाका और मंजूनाथ स्कूल के बीच सड़क पार कर रही 68 साल की बुज़ुर्ग महिला को तेज़ रफ़्तार रिक्शा ड्राइवर ने टक्कर मार दी। टक्कर में बुज़ुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनका तीन दिन तक हॉस्पिटल में इलाज चला। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। इस मामले में तिलकनगर पुलिस स्टेशन में लापरवाही से रिक्शा चलाने वाले रिक्शा ड्राइवर के ख़िलाफ़ केस दर्ज किया गया है। मृतक बुज़ुर्ग महिला की पहचान रेखा उत्तम कसुर्डे (68) के तौर पर हुई है। वह अपने बेटे के साथ डोंबिवली खंबालपाड़ा में रहती थीं। इस मौत के मामले में रेखा के बेटे अविनाश कसुर्डे ने रिक्शा ड्राइवर MH 05-BG-6368 के ख़िलाफ़ तिलकनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

यातायात विभाग एक्शन मोड पर

■ **कल्याण-हाजीमलंग रोड पर 51 गाड़ियों पर एक्शन**

उल्हासनगर. कल्याण-मुरबाड रोड पर हुए दुर्भाग्यपूर्ण एक्सीडेंट के बाद, एक्शन मोड में आए उल्हासनगर के विट्ठलवाड़ी ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने कल्याण-द्वारली गांव-मलंगगढ़ रोड पर एक खास कैंपेन चलाया और पैसेंजर ट्रांसपोर्ट गाड़ियों के खिलाफ चेकिंग कैंपेन चलाया.

सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अनिल पडवल ने बताया है कि मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 51 दोषी गाड़ियों के खिलाफ एक्शन लिया गया है. जिस इलाके में कैंपेन चलाया गया, वह हिललाइन पुलिस स्टेशन की सीमा में है और यहां गाड़ियों का बहुत ज़्यादा ट्रैफिक रहता है. गाड़ी में नॉर्म से ज़्यादा पैसेंजर बैठाए जाते हैं.

कल्याण-मुरबाड रोड पर दुर्भाग्यपूर्ण एक्सीडेंट दोबारा न हो, इसका ध्यान रखते हुए सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर पडवाल, पुलिस कांस्टेबल बोरसे, नितिन शिंदे, पुलिस नाइक रामचंद्र पवार ने यह कैंपेन चलाया और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 51 दोषी गाड़ियों के खिलाफ एक्शन लिया. सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अनिल पडवल ने बताया कि इस इलाके में कई अवेयरनेस पोस्टर और बैनर लगाए गए हैं.

जंगली फल तोड़ने गए लड़के पर तेंदुए ने किया हमला

■ **8 साल के कृष्णा की मौत**

कसारा. कसारा के पास कलभोंडे में लाद्याची वाडी में एक 8 साल के लड़के पर तेंदुए के हमले की चौंकाने वाली घटना हुई है। मरने वाले लड़के का नाम कृष्णा भागा अगिवले है जो लाद्याची वाडी का रहने वाला है. वह मंगलवार सुबह करीब 8 बजे जंगल में जंगली फल तोड़ने गया था। जब वह पेड़ से आम तोड़ रहा था, तभी जंगल में छिपे एक तेंदुए ने अचानक कृष्णा पर हमला कर दिया। जिसमें उसकी मौत हो गई। जैसे ही स्थानीय गांववालों को इस घटना की जानकारी मिली, गांववाले बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए। इस घटना के बाद गांववालों ने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के काम करने के तरीके पर कड़ी नाराजगी जताई है।

स्थानीय लोगों ने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट को बताया था कि इलाके में कई दिनों से तेंदुआ देखा जा रहा है। हालांकि, गांववालों का आरोप है कि कोई ठोस बचाव का कदम न उठाने की वजह से एक मासूम बच्चे की मौत हो गई। इस घटना के बाद गुस्साए गांववालों ने मांग की है कि तेंदुए को पकड़ने के लिए तुरंत पिंजरे लगाए जाएं, इलाके में पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और नागरिकों की सुरक्षा के लिए तुरंत कदम उठाए जाएं। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से आगिवाले परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और पूरा इलाका दुख जता रहा है।

मां काम पर जाती है...

इस बीच, इस तेंदुए के हमले में मरने वाले कृष्णा के पिता नहीं हैं। इसलिए घर की ज़िम्मेदारी कृष्णा की मां पर है। अपने परिवार का पेट पालने के लिए कृष्णा की मां गुलाबीबाई अलेफाटा में प्याज निकालने के लिए दिहाड़ी मज़दूरी करने जाती थी। वह अपने 3 बच्चों को घर के पास अपने मामा के पास छोड़कर काम पर चली गई थी.

इस बीच, सुबह 8 बजे स्थानीय वन विभाग को घटना की जानकारी देने के बावजूद, वन अधिकारियों ने दोपहर 12 बजे तक इस पर ध्यान नहीं दिया और शव धूप में पड़ा रहा।

चोरी हुए मोबाइल फोन शिकायत करने वालों को लौटाए गए

अंबरनाथ. शहर में मोबाइल चोरी और खोने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए, अंबरनाथ पुलिस ने एक खास अभियान चलाकर करीब 3 लाख रुपये कीमत के 12 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस को यह कामयाबी सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल के अच्छे इस्तेमाल की वजह से मिली है और जब्त किए गए मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को बाइज्ज़त लौटा दिए गए हैं।

अंबरनाथ पुलिस स्टेशन की सीमा में 2023 से 2026 के बीच अलग-अलग कंपनियों के मोबाइल फोन चोरी या खोने की शिकायतें मिली थीं। इन शिकायतों के आधार पर, पुलिस ने 'प्रॉपर्टी मिसिंग' के तहत मामला दर्ज किया था और टेक्निकल जांच शुरू की थी। पुलिस ने टेक्निकल एनालिसिस और CEIR पोर्टल को ट्रैक करके 12 गायब मोबाइल फोन बरामद किए।

यह ऑपरेशन डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन गोर, असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस शैलेश काले, सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर शब्बीर सैयद और पुलिस इंस्पेक्टर (क्राइम) उमेश सावंत के गाइडेंस में किया गया। इस पूरे कैंपेन में, पुलिस कांस्टेबल मंगेश सूर्यवंशी ने टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके मोबाइल फोन को ट्रेस करने में अहम भूमिका निभाई। सभी रिकवर किए गए मोबाइल फोन को अंबरनाथ पुलिस स्टेशन बुलाया गया और असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस शैलेश काले ने असली मालिकों को सौंप दिया। लोगों ने अपने खोए हुए मोबाइल फोन वापस पाकर खुशी जताई है।

अंबरनाथ, उल्हासनगर में 24 घंटे पानी बंद रहेगा

■ **गुरुवार से शुक्रवार तक पानी बंद रहेगा**

अंबरनाथ. अंबरनाथ, बदलापुर और उल्हासनगर महानगर पालिका की हद में 24 घंटे पानी बंद रहेगा. गुरुवार 23 अप्रैल दोपहर 12 बजे से शुक्रवार 24 अप्रैल दोपहर 12 बजे तक उपरोक्त शहरों में 24 घंटे पानी बंद रहेगा. ऐसी जानकारी महाराष्ट्र औद्योगिक महामंडल जांभुल जलशुद्धीकरण केंद्र की तरफ से कार्यकारी अधिकारी एस. एस. ननवरे ने दी है. जांभुल जलशुद्धीकरण केंद्र जलाशय (HSR) में बारवी पाइप लाइन 1, 2 और 3 का उन्नतिकरण और देखबाल करने के लिए 24 घंटे पानी बंद रहेगा. पहले ये घोषणा की गई थी कि 24 अप्रैल से 25 अप्रैल तक पानी बंद रहेगा. लेकिन किसी कारण से अब 23 अप्रैल से 24 अप्रैल तक पानी बंद रखने का निर्णय महाराष्ट्र औद्योगिक मंडल ने लिया है. ऐसी सूचना कार्यकारी अभियंता ने जारी की है. अंबरनाथ, अतिरिक्त अंबरनाथ, बदलापुर औद्योगिक क्षेत्र, उल्हासनगर महानगर पालिका, अंबरनाथ एमआईडीसी के जांभुल जलशुद्धीकरण केंद्र से होने वाली जलापूर्ति गुरुवार दोपहर 12 बजे से शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक 24 घंटे बंद रखी जाएगी. उसके बाद कुछ घंटों तक जलापूर्ति कम दबाव से शुरू रहेगी. सूचना में कहा गया है कि महानगरपालिका, नगरपालिका, ग्राम पंचायत, नागरिक बस्ती, गृह संकुल, सभी उद्योजक, महामंडल जलापूर्ति विभाग के सभी ग्राहकों को ये सूचना जारी की गई है. इसलिए पानी का इस्तेमाल सोचसमझ कर करने की सलाह दी गई है.

खरडी-कसारा तीसरी लाइन अहम चरण में

■ **12 मई से ओवरहेड वायर चार्ज**

■ **लोकल स्पीड और फ्रीक्वेंसी में बढ़ोतरी**

मुंबई. कल्याण-कसारा रूट पर रोज़ाना सफर करने वाले लाखों पैसेंजर्स के लिए अच्छी खबर है। तीसरी लाइन का काम अब अहम चरण में पहुंच गया है और खरडी और कसारा के बीच करीब 13 km ओवरहेड वायर का काम पूरा हो गया है। जैसे ही इस एरिया में ओवरहेड वायर 12 मई, 2026 से चार्ज हो जाएंगे, इस पूरे हिस्से में लोकल के साथ-साथ मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों के तेज और आसान मूवमेंट का रास्ता साफ हो जाएगा।

इस 67 km लंबे प्रोजेक्ट का पहला फेज आसनगांव और कसारा के बीच चल रहा है। खरडी-कसारा (13 km) के बहुत जरूरी हिस्से का ओवरहेड वायर का काम पूरा हो गया है। इसलिए, पूरा सिस्टम इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के लिए तैयार है और ओवरहेड वायर चार्ज होने के बाद टेस्टिंग और कोऑर्डिनेशन शुरू हो जाएगा। इसलिए, इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद पैसेंजर्स को इसका सीधा फायदा मिलेगा। पीक आवर में लोकल ट्रेनों पर दबाव की वजह से होने वाली अभी की देरी और भीड़भाड़ कम होने की संभावना है। इस रूट पर लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ाना भी मुमकिन होगा, खासकर कसारा-कल्याण दिशा में।

प्रोजेक्ट पर एक नज़र

- प्रोजेक्ट : कल्याण-कसारा थर्ड लाइन
- लंबाई : 67 km
- फ़ेज़ 1 : आसनगांव से कसारा
- ज़रूरी हिस्सा : खरडी से कसारा (13 km) OHE का काम पूरा हुआ
- अगला फ़ेज़ : 12 मई, 2026 से ओवरहेड वायर चार्जिंग

पीक आवर में ज़्यादा लोकल ट्रेनें

यह तीसरी लाइन यात्रियों का समय बचाएगी। इसका सीधा फ़ायदा यह होगा कि देरी कम होगी, भीड़ कम होगी और यात्रा ज़्यादा सुरक्षित होगी। एक ही लाइन पर अभी का दबाव कम होगा, जिससे लोकल सेवाओं की एफिशिएंसी बेहतर होगी। यह तीसरी लाइन माल ढुलाई और सबअर्बन सेवाओं के बीच बैलेंस बनाए रखना भी आसान बनाएगी। इसलिए, एक बार प्रोजेक्ट पूरा हो जाने के बाद, रेलवे के लिए पीक आवर में ज़्यादा लोकल ट्रेनें चलाना और शेड्यूल बनाए रखना काफ़ी आसान हो जाएगा।

अंबरनाथ तहसील कार्यालय की लिफ्ट कई वर्षों से बंद

■ **वृद्धों, दिव्यांगों, गर्भवती महिलाओं को हो रही परेशानी**

अंबरनाथ. अंबरनाथ तहसील कार्यालय की लिफ्ट गत कई वर्षों से बंद होने के कारण, दिव्यांगों, वृद्धों एवं गर्भवती महिलाओं को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लिफ्ट को चालू कराने की मांग को लेकर प्रहार संघटना ने भी आंदोलन किया था. उस समय अंबरनाथ के तहसीलदार ने संघटना को लिखित आश्वासन दिया था कि सार्वजनिक बांधकाम विभाग (विद्युत विभाग) द्वारा नई लिफ्ट बिटा कर ली जाएगी.

विदित हो कि केबी सड़क के किनारे स्थित अंबरनाथ तहसील गार्यालय की तीन मंजिला इमारत है, जिसमें ऊपरी मंजिल पर पंचायत समिति का कार्यालय भी है. ऐसे ही सरकारी महकमे भी यहां पर हैं. लेकिन गत कई वर्षों से इमारत की लिफ्ट बंद है. दिव्यांग सेना ठाणे जिला उपाध्यक्ष राजीव कुमार भट्ट ने भी मार्च 2026 में तहसीलदार को निवेदन देकर लिफ्ट बंद होने की शिकायत करके दिव्यांगों को हो रही परेशानी का जिक्र किया है. उसके जवाब में तहसीलदार अमित पुरी ने उन्हें पत्र देकर कहा है कि सा.बा. विभाग कल्याण ने लिफ्ट बिठाने के लिए प्रस्ताव पेश किया है. जिलाधिकारी ठाणे ने प्रशासकीय मान्यता दी है. टेंडर निकालने की कार्यवाही शुरू है. जल्द ही लिफ्ट बिठाई जाएगी. दिव्यांगों के लिए ग्राउंड फ्लोर पर विशेष कक्ष कार्यान्वित किया गया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

कब थमेंगे ये हादसे?

किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि वे हर इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति न हो। मगर ऐसा लगता है कि किसी हादसे में व्यापक नुकसान के बावजूद समान स्थितियों में काम करने वाले दूसरे कारखानों में उसके कारणों पर गौर करने और भविष्य में बचने की कोशिश भी नहीं की जाती। वरना क्या कारण है कि एक ही तरह की दुर्घटनाएं बार-बार सामने आती रहती हैं और वजह के रूप में मुख्य रूप से असुरक्षित हालात में काम और लापरवाही ही दर्ज की जाती है।

तमिलनाडु के विरुधुनगर में स्थित एक पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट और उसमें पच्चीस लोगों की मौत की घटना ने एक बार फिर यही दर्शाया है कि हादसों के लिहाज से बेहद संवेदनशील माने जाने के बावजूद अव्यवस्था बदस्तूर कायम है। खबरों के मुताबिक विरुधुनगर की फैक्ट्री में जिस वक्त विस्फोट हुआ, उस समय रविवार को छुट्टी का दिन होने के बावजूद मजदूरों से काम कराया जा रहा था। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कम से कम तीन कमरे मलबे में तब्दील हो गए और आसपास के कई भवनों को भारी नुकसान पहुंचा।

यह समझना मुश्किल है कि पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के अभाव की स्थिति में विस्फोटक पदार्थों के बीच काम संचालित करते हुए यह ध्यान रखने की जरूरत क्यों नहीं समझी जाती कि मामूली असावधानी के नतीजे क्या हो सकते हैं। पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से हुए हादसे की यह कोई अकेली घटना नहीं है। तमिलनाडु में आए दिन पटाखा कारखानों में आग लगने से लोगों की मौत की खबरें आती रहती हैं। देश के अन्य राज्यों में भी पटाखा कारखानों में आग लगने और उसमें जानमाल के नुकसान की घटनाएं अक्सर होती हैं।

मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि न फैक्ट्री मालिक हादसों से बचने के लिए जरूरी उपाय करते हैं और न ही सरकारी तंत्र और संबंधित महकमे के अधिकारी समय-समय पर यहां की गई सुरक्षा व्यवस्था की जांच और निगरानी करते हैं। सुरक्षा इंतजामों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने और नियमों की अनदेखी पर अगर फैक्ट्री मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, तो शायद अगले हादसों को रोकने की गुंजाइश बन सकती है।

विमर्श

आतंक के खिलाफ मजबूत मोर्चा

भारत दशकों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष आतंकवाद का सामना करता आया है। यह लड़ाई हमारे लिए नई नहीं है। आतंकवाद कितना वीभत्स हो सकता है, इसका एक उदाहरण पिछले वर्ष पहलगाम में हुआ आतंकी हमला था, जिसमें लोगों को उनका मजहब पूछकर मारा गया था।

चूंकि पहलगाम हमले की बरसी निकट है, इसलिए हमें आतंकवाद के खतरों को लेकर सचेत रहना होगा। पहले जहां आतंकवाद सीमांत क्षेत्रों और पारंपरिक तरीकों तक सीमित था, वहीं अब यह उच्च तकनीक, इंटरनेट और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के सहारे तेजी से फैलने वाला वैश्विक खतरा बन गया है।

आज आतंकी केवल हथियारों के सहारे नहीं, बल्कि डिजिटल माध्यमों, गुप्त वित्तीय नेटवर्कों और वैचारिक प्रचार के जरिये भी काम कर रहे हैं। इस बदलते स्वरूप को समझे बिना आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटना संभव नहीं है। इसी संदर्भ में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक समयानुकूल पहल की है। इसे नाम दिया है 'प्रहार' (यानी प्रोएक्टिव रिस्पांस अगेंस्ट होस्टाइल एक्ट्स)। यह कदम आतंकवाद से निपटने में बाजी पलटने वाला दांव सिद्ध हो सकता है।

भारत ने आतंकवाद से लड़ते हुए कई अनुभव हासिल किए हैं। इस क्रम में माओवाद से निपटने में अपनाई गई 'समाधान' संकल्पना एक उत्कृष्ट उदाहरण है। दृढ़ इच्छाशक्ति, स्पष्ट रणनीति, बेहतर समन्वय और मजबूत खुफिया तंत्र के माध्यम से उग्रवाद को काफी हद तक नियंत्रित किया गया।

इससे यह सिद्ध हुआ कि यदि नीति स्पष्ट हो और एजेंसियों के बीच तालमेल मजबूत हो, तो जमीनी स्तर पर ठोस परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। हालांकि आतंक से निपटने में आज की चुनौतियां कहीं अधिक विकराल हैं। आतंकवाद मुख्यतः बाहरी ताकतों द्वारा पोषित है। अब बिखरे हुए छोटे-छोटे समूहों, अकेले काम करने वाले व्यक्तियों और आनलाइन नेटवर्क के रूप में भी वह विस्तार ले रहा है। इस तरह यह एक साथ जमीनी, इंटरनेट और वित्तीय तंत्र तीनों स्तरों पर काम करता है। ऐसे में अलग-अलग और असंगठित प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे।

प्रहार जैसी संकल्पना इन्हीं पहलुओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह तकनीक, खुफिया जानकारी, कानून व्यवस्था, वित्तीय निगरानी और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में समन्वयन को सुनिश्चित करती है। इसका उद्देश्य स्पष्ट है-खतरे को चिह्नित करना, उसे बढ़ने से रोकना और जरूरत पड़ने पर तुरंत और सख्त कार्रवाई करना। इस नीति की सबसे बड़ी विशेषता इसका समग्र दृष्टिकोण है।

आतंकवाद बंदूक या बम का मामला नहीं है, बल्कि यह एक सोच, एक बड़े नेटवर्क और दुश्मन के सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा है, इसलिए इसका समाधान भी बहुआयामी होना चाहिए। प्रहार सात मुख्य स्तंभों पर आधारित है, जो इसे एक संतुलित और प्रभावी नीति बनाते हैं।

एक स्तंभ है रोकथाम यानी खुफिया जानकारी के आधार पर समय रहते कार्रवाई। दूसरा स्तंभ है प्रतिक्रिया, जिसमें किसी घटना पर त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई। तीसरा स्तंभ है विश्लेषण, जिसमें सटीक जानकारी एवं विश्लेषण के आधार पर निर्णय। चौथा स्तंभ है मानवाधिकार अनुपालन यानी कानून और संविधान के दायरे में रहकर कार्रवाई। पांचवां स्तंभ है आतंकी वित्तीय ढांचे की कमर तोड़ना, ताकि उन तक वित्तीय मदद पहुंचने ही न पाए। छठा स्तंभ है जागरूकता और कट्टरता-निरोध, जिसमें समाज को साथ लेकर चलना और दुष्प्रचार का समय से खंडन। सातवां स्तंभ है लचीलापन और पुनर्बहाली यानी घटना के बाद तेजी से सामान्य स्थिति बहाल करना। ये सभी स्तंभ ऐसी रणनीति बनाते हैं, जो न केवल आतंक को रोकने में सक्षम है, बल्कि समाज को भी मजबूत बनाती है।

आज आतंकी नई तकनीकों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में पारंपरिक पुलिसिंग पर्याप्त नहीं रह गई है। प्रहार इस कमी को दूर करते हुए साइबर क्षमता, आधुनिक तकनीक और वित्तीय निगरानी को भी अपने ढांचे में शामिल करता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने आतंक के खिलाफ अपना रुख और स्पष्ट किया है।

विज्ञान और अध्यात्म के मूल में एक साँझेदारी है जो समान प्रश्नों के उत्तर ढूंढती है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

रफ्तार पर भारी पड़ती मौत की राह

इसमें दोराय नहीं कि देश के विकास के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार बेहद जरूरी होता है। आम लोगों के लिए जीवनरेखा मानी जाने वाली सड़कों का निर्माण भी इसी श्रेणी में आता है। देश में पिछले कुछ वर्षों में नई सड़कें बनाने की गति निश्चित रूप से तेज हुई है, लेकिन इसके साथ ही हादसों का सिलसिला भी बदस्तूर जारी है। विशेषकर उच्च तकनीक की मदद से तैयार किए जा रहे एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग चमकदार एवं सुविधाजनक जरूर दिखते हैं, मगर ये सुरक्षित सफर की कसौटी पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं।

देश में सड़कों की कुल लंबाई का केवल दो फीसदी राष्ट्रीय राजमार्ग है, लेकिन सड़क हादसों में होने वाली मौत की कुल संख्या में इनकी हिस्सेदारी करीब तीस फीसदी तक पहुंच गई है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर गंभीर चिंता जताते हुए केंद्र, राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों को सड़क सुरक्षा मजबूत करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा कि प्रशासनिक सुस्ती या बुनियादी ढांचे की कमियों के कारण एक्सप्रेस-वे खतरे का गलियारा नहीं बनने चाहिए।

गौरतलब है कि देश में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के सरकार के दावों के बावजूद इनमें साल दर साल

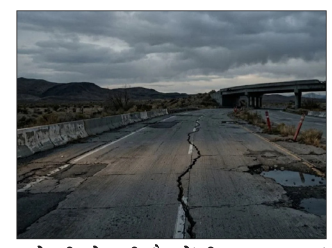

बढ़ोतरी हो रही है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2019 में देश में 4.56 लाख सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें लगभग 1.59 लाख लोगों की मौत हो गई। वर्ष 2020 के कोरोनाकाल में पूर्णबंदी के कारण सड़क हादसों में कुछ कमी आई, लेकिन उसके बाद वर्ष 2021 में करीब 4.2 लाख, 2022 में 4.61 लाख और 2023 में 4.80 लाख दुर्घटनाएं हुईं। यानी पांच वर्षों में 21 लाख से ज्यादा सड़क हादसों में करीब आठ लाख लोगों की मौत हो गई।

यह आंकड़ा वास्तव में चिंताजनक है, लेकिन इसमें कमी लाने के प्रयास सरकारी कागजों से बाहर निकलकर धरातल पर प्रभावी रूप से अमल में आते नजर नहीं आ रहे हैं। सड़कों पर जिन खतरों को टाला जा सकता है, अगर उनकी वजह से लोगों की जान जाती है, तो यह स्पष्ट रूप से नागरिकों की सुरक्षा में व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है। हाल के दिनों में यह देखा गया है कि सड़क पर अवैध रूप से वाहन खड़ा करना दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भोजनालयों की बढ़ती संख्या भी इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है, जहां वाहनों को सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़ा कर दिया जाता है। संबंधित महकमे की ओर से ऐसे भोजनालयों को जोखिम का आकलन किए बिना ही अनुमति दे दी जाती है। इसी के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय ने अपने दिशा-निर्देशों में कहा है कि संबंधित प्राधिकरण और नियामकीय एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित स्थलों को छोड़कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों को कहीं भी खड़ा या रोका नहीं जाएगा।

नियमानुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात पुलिस की नियमित गश्त का प्रावधान है, लेकिन इसमें भी विभिन्न स्तरों पर लापरवाही साफ दिखती आती है। इसके अलावा, राजमार्गों पर वाहनों की तेज गति, सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामी और संकेतकों का अभाव एवं अस्पष्टता भी दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। इन व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली का इस्तेमाल भी कम ही नजर आता है। मगर अब शीर्ष अदालत के निर्देशों से उम्मीद जगी है कि देश भर में यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और सड़क हादसों में भी कमी आएगी।

सालों पुराना देसी फ्रिज, गोबर और मिट्टी से बना ये जुगाड़

क्या आपने कभी सोचा है कि हमारे बड़े-बुजुर्ग बिना बिजली के ही ऐसी ठंडक का इंतजाम कैसे कर लेते थे?

जरा हट के

हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने इस सवाल का बेहद दिलचस्प जवाब दिया है. वीडियों में राजस्थान की एक दादी ने अपने ‘100 साल पुराने देसी फ्रिज’ को दिखाकर इंटरनेट पर लोगों को हैरान कर दिया.

दरअसल, इस वीडियो को @raj_rajasthani21 नाम के यूजर ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. इसमें देखा जा सकता है एक बुजुर्ग महिला हरे रंग की साड़ी पहने एक छोटी-सी झोपड़ीनुमा संरचना का दरवाजा खोलती नजर आती हैं. बाहर से देखने पर यह साधारण लगती है, लेकिन जैसे ही दरवाजा खुलता है, अंदर का नजारा चौंका देता है. भीतर साफ-सुथरे तरीके से स्टील और पीतल के बर्तनों में खाने-पीने का सामान रखा होता है. यह देखकर यकीन करना

मुश्किल हो जाता है कि यह कोई आधुनिक फ्रिज नहीं, बल्कि मिट्टी और गोबर से बना एक पारंपरिक ‘देसी फ्रिज’ है, जो सालों से काम कर रहा है.

इस देसी फ्रिज की सबसे खास बात यह है कि यह पूरी तरह प्राकृतिक सिद्धांतों पर काम करता है. इसे बनाने में मिट्टी, गाय का गोबर और ‘खींप’(एक प्रकार का राजस्थानी घास) नाम की खास घास का इस्तेमाल किया जाता है, जो तापमान को संतुलित रखने में मदद करते हैं. मिट्टी में मौजूद छोटे-छोटे छिद्रों के कारण पानी धीरे-धीरे वाष्पित(Evaporate) होता है, जिससे आसपास की गर्मी कम होती है और अंदर की हवा ठंडी बनी रहती है. इसके अलावा, ऊपर की तरफ घास की छत बनाई जाती है, जो तेज धूप और गर्म हवाओं (लू) से अंदर के हिस्से को बचाती है. इसी वजह से इस देसी फ्रिज के अंदर का तापमान बाहर की तुलना में काफी कम रहता है और सामान लंबे समय तक ताजा बना रहता है.

कहा जाता है कि रेगिस्तान जैसी भीषण गर्मी में भी इस देसी फ्रिज के अंदर रखा दूध कई दिनों तक खराब नहीं होता. दही बढ़िया जमती है और रोटियां भी लंबे समय तक मुलायम बनी रहती हैं. यानी बिना बिजली, बिना किसी खर्च और बिना मेंटेनेंस के यह देसी फ्रिज बड़े ही शानदार तरीके से काम करता है.

करेले की चटनी

करेला कई घरों में खाई जाने वाली सब्जी है। भले ही ये स्वाद में थोड़ा कड़वा हो, लेकिन आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नेशियम, कॉपर और मैगनीज जैसे कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। शुगर लेवल को कंट्रोल करने से लेकर पाचन को भी दुरुस्त करने में मदद करता है। आइए ऐसे में आज हम लेकर आए हैं, आपके लिए इसकी नई रेसिपी। ये है करेले की चटनी। जी हां, इसकी सब्जी तो आपने कई बार खाई होगी, लेकिन इस बार हमारी इस रेसिपी से ट्राई करके देखिए इसकी ये टेस्टी चटनी।

सामग्री :

- करेला- 250 ग्राम
- हरी मिर्च- 4-6
- नींबू- 1
- काला नमक- 1/2 टीस्पून
- नमक- स्वादानुसार

विधि :

करेले की चटनी बनाने के लिए सबसे पहले इसे अच्छी तरह से धोकर साफ कर लें। अब इन इन्हें को साफ और सूती कपड़े से पोंछ लें। इसके बाद इनकी दोनों साइड के डंठल को काटकर अलग कर दें।

अब एक छिलनी की मदद से करेले के ऊपर से मोटे-मोटे छिलके उतार लें। इसके बाद इन छिलकों को एक बार साफ पानी में धोकर एक बर्तन में निकाल लें।

अब इन्हें नमक के पानी में करीब 15-20 मिनट तक भिगोकर रख दें। इसके बाद इन छिलकों को पानी से निकालकर मिक्सर जार में डालकर पीस लें। अब इसमें हरी मिर्ची, काला नमक और नींबू का रस भी एड करें। इसके बाद इसे मिक्सर जार की मदद से पीसकर एक बाउल में निकाल लें।

बस तैयार है आपकी स्वादिष्ट करेले की चटनी।

अखरोट को भिगोकर खाने के लिए क्यों दी जाती है सलाह?

जब भी ड्राई फ्रूट्स को खाने की बात आती है तो बादाम के बाद सबसे ज्यादा फायदेमंद ड्राई फ्रूट्स अखरोट को माना जाता है। इसमे काफी ज्यादा मात्रा में न्यूट्रिशन तत्व होते हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स् के साथ ओमेगा 3 फैटी एसिड का रिच सोर्स अखरोट को माना जाता है। जो हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद होने के साथ ही शरीर में सूजन की समस्या को भी खत्म करता है। लेकिन अखरोट को खाने के पहले भिगोने की सलाह दी जाती हैं। जानें इसके कारण।

अखरोट को खाने का सही तरीका

एक्सपर्ट्स के मुताबिक अखरोट को खाने का बेस्ट तरीका इसे भिगोकर सुबह सबसे पहले खाना है। इससे अखरोट के ज्यादा से ज्यादा फायदे शरीर को मिलते हैं। जानें अखरोट भिगोने से शरीर पर क्या असर पड़ता है।

अखरोट खाने से होने वाले फायदे

अखरोट का ब्रेन जैसा शेप इसे दिमाग के लिए जरूरी बनाता है। बच्चों से लेकर बूढ़ों की मेमोरी शार्प करने के लिए इसे रोजाना खाने की सलाह दी जाती है।

इम्यूनिटी बूस्ट

एंटीऑक्सीडेंट्स और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होने की वजह से अखरोट को जब हम रोजाना खाते हैं तो ये शरीर के इम्यूनिटी सिस्टम को सही रखने में मदद करता है।

स्किन के लिए भी है फायदेमंद

अखरोट में विटामिन ई और पॉलीफेनॉल्स जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो हमे अल्ट्रा वॉयलेट किरणों से बचाने में मदद करते हैं। गर्मियों में स्किन को इन यूवी रेज से बचाने में अखरोट हेल्प करते हैं।

जोड़ों के दर्द में आराम

जिन लोगों को जोड़ों के दर्द और कमजोर हड्डियों की शिकायत रहती हैं। उन्हें अखरोट को नियमित रूप से खाना चाहिए। ये हड्डियों को मजबूत बनाने और जोड़ों में लूब्रिकेंट्स को बढ़ाता है। जिससे ज्वाइंट्स के घिसने की वजह से होने वाले दर्द में राहत मिलती है।

सूजन कम करता है

ज्यादातर क्रॉनिक बीमारियों का कारण शरीर में होने वाली सूजन और ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस है। अखरोट में पाया जाने वाला

पॉलिफेनॉल सूजन और शरीर में हो रहे ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ने में मदद करता है।

एनर्जी देने और वेट लॉस में मदद

इसके साथ ही भीगे अखरोट में हेल्दी फैट्स, फाइबर, प्रोटीन की मात्रा शरीर आसानी से अब्जॉर्ब कर लेता है। जिसकी वजह से शरीर को एनर्जी तेजी से मिलती है। साथ ही ये पेट भरने में मदद करता है। जिससे वेट लॉस में मदद मिलती है।

शरीर को मिलते है सारे जरूरी पोषण

अखरोट को भिगोकर खाने से इसका पाचन आसान हो जाता है। साथ ही बॉडी में इसके जरूरी पोषक तत्व भी पहुंचते हैं। यहीं नहीं अखरोट को अगर सुबह और सोने के पहले खाया जाए तो ये नींद को बेहतर करने में मदद करता है। अखरोट में मेलाटोनिन की मात्रा होती है। एक तरह का हार्मोन जो ब्रेन में अंधेरे को देखकर प्रोड्यूस होता है और नींद को बढ़ावा देता है।

आज का राशिफल

मेष : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शत्रु परेशान करेंगे। हानि नहीं पहुंचा पाएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें। आवश्यकताएं बढ़ेंगी। आर्थिक तंगी हो सकती है। कर्ज से बचें।

वृषभ : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ। यात्रा के योग टलेंगे। विरोधी सक्रिय होंगे। ज्ञानीजनों से मुलाकात होगी। शांति बनाना आवश्यक है। अकारण भय व्याप्त होगा।

मिथुन : कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है। स्त्री को कष्ट। जायदाद वृद्धि के योग बनेंगे। विरोधी सक्रिय होंगे।

कर्क : राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी, गर्व न करें। ईमानदारी से कार्य करते रहें। समय पक्ष का है। यात्रा में हानि। विरोधी कष्ट देंगे।

सिंह : चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। धनागम के अवसर बनेंगे। 'आ बैल मुझे मार' की स्थिति निर्मित न होने दें। भय बना रहेगा। सोच-समझकर निर्णय लें।

कन्या : कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कुछ लाभ के आसार दिखेंगे। दुखद समाचार मिलने की संभावना है। अस्वस्थता होगी। कुसंग से हानि, कुछ लाभ के आसार दिखेंगे।

तुला : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी। कष्टों में निवृत्ति नहीं होगी। कलह से बचना होगा। अधिकार के लिए प्रयत्न करना होगा।

वृश्चिक : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा। रोग घेरेंगे। चिंताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे। अपमान, कष्ट, कलह से बचना होगा। राज्य से लाभ के अवसर बढ़ेंगे। शत्रु परेशान करेंगे।

धनु : दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा। शत्रु शांत होंगे। वाहन देखकर चलाएं। परिस्थितियां अनुकूल होंगी। कुछ विरोध होगा। शांति होगी।

मकर : मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। मातृपक्ष से परेशानी होगी। दुर्घटना की संभावना। धन मिलने की परिस्थिति निर्मित होगी। अंतरप्रेरणा से कार्य करें। धनागम के अवसर बढ़ेंगे।

कुंभ : भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत होंगे। कष्ट-भय की संभावना, अस्वस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे। धनागम होगा। शरीर शिथिल होगा। शत्रु शांत रहेंगे। लाभ-हानि बराबर रहेंगे।

मीन : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बंधेगी। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे। सावधान रहने की आवश्यकता है। पराक्रम दिखलाने का अवसर है। लाभ होगा। रिश्वत न लें। नम्रता बनाए रखें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

शुगर और कोलेस्ट्रॉल का दुश्मन है करेला

3 महीने में बदल जाती है खून की क्वालिटी

स्वाद में बेहद कड़वी, लेकिन सेहत के लिए जबरदस्त यह सब्जी, दवा की तरह हमारे शरीर की कई परेशानियों को बड़ी आसानी से बाहर निकाल फेंकती है. यह हमारे शरीर में खून की क्वालिटी को सुधारने, शुगर लेवल को कंट्रोल करने और कोलेस्ट्रॉल की समस्या को दूर करने में काफी असरदार है. आइए जानते हैं इसके फायदों को.

करेले का नाम आते ही लोग मुंह बना लेते हैं. बहुत कम ही लोग

ऐसे हैं जिन्हें करेला पसंद है. करेले में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो इंसान के शरीर की कई तरह की परेशानियों को बड़ी आसानी से दूर करने का काम करता है.

हेल्थलाइन के मुताबिक, केरेले में भरपूर मात्रा में विटामिन ए, विटामिन सी, फाइबर, फॉलेट, पोटैशियम, जिंक और आयरन पाया जाता है जो शरीर में किसी तरह के नुकसान को हील करने, डिटॉक्स करने से लेकर बड़ी बीमारियों के खतरों को भी दूर रखने में मदद करता है.

एक शोध में तो यह भी पाया गया है कि अगर इंसान तीन महीने तक करेले का सेवन करे तो उसके डायबिटीज की समस्या में तेजी से सुधार नजर आएगा और यह ब्लड में शुगर लेवल को कम करने के साथ साथ हीमोग्लोबिन को भी

सुधारने में मदद कर सकता है. इस तरह यह लॉन्ग टर्म ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करने का काम कर सकता है.

केरेले में कैंसर से प्रोटेक्शन देने वाली प्रॉपर्टीज भी पाई गई है. शोध में पाया गया है कि अगर करेले का सेवन करें तो यह कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकता है और पेट, कोलन, लंग्स, ब्रेस्ट कैंसर सेल्स के अगेन्स्ट काम करता है.

करेले के सेवन से बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कम करने में मदद मिल सकती है. अगर आप कोलेस्ट्रॉल की समस्या से परेशान हैं तो अपने डाइट में करेले को शामिल कर लें. यह एलडीएल को बढ़ने से रोकता है जिससे हार्ट, आर्टरी में ब्लड पंप करने की परेशानी दूर रहती है और हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा नहीं रह

जाता.

करेले में फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है. फाइबर कब्ज की परेशानी को दूर करता है, आंतों को साफ करता है, डायजेशन बढ़िया करता है, वजन कम करने में मदद करता है, लंबे समय तक पेट को भरा रखने और भूख को रोकने का भी काम करता है.

आप इसकी सब्जी तो बनाकर खा ही सकते हैं, इसे अन्य वेजिटेबल के साथ मिलाकर जूस के रूप में भी पी सकते हैं. आप चाहें तो इसे अंडे या पनीर में लहसुन, टमाटर के साथ मिलाकर या पकोड़े बनाकर भी खा सकते हैं. हालांकि अगर आप ब्लड शुगर लो करने की दवा खाते हैं, किसी तरह की सेहत से जुड़ी परेशानी है या प्रेगनेंट हैं तो अपने डॉक्टर की सलाह के बाद ही इनका इस तरह सेवन करें.

वेट को रखता है कंट्रोल सत्तू

बॉडी को रखें कूल

बढ़ती गर्मी में सत्तू का सेवन शरीर को भीतर से ठंडक पहुंचाने का काम करता है। इसका सेवन नियमित रूप से करने से बॉडी हाइड्रेट बनी रहती है। एक्सपर्ट्स की मानें तो सत्तू की तासीर ठंडी होती है, खाली पेट सत्तू पीने से पेट और शरीर में ठंडक बनी रहने के साथ व्यक्ति का लू से भी बचाव हो सकता है।

पेट रहेगा दुरुस्त

सत्तू में मौजूद फाइबर की मात्रा पाचन संबंधी समस्याओं में राहत पहुंचाने का काम करती है। इसका सेवन करने से मल त्यागने की प्रक्रिया ठीक बनी रहती है। जिससे पेट साफ रहता है और व्यक्ति को पेट से जुड़ी बीमारियों जैसे कब्ज,पेट दर्द, एसिडिटी में आराम मिलता है।

डायबिटीज कंट्रोल

डायबिटीज रोगियों के लिए भी सत्तू का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। इसके नियमित सेवन से ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है। सत्तू में ग्लाइसेमिक इंडेक्स की मात्रा बहुत कम होती है। जिससे डायबिटीज रोगियों की सेहत को फायदा मिल सकता है। यदि आप डायबिटीज से जूझ रहे हैं तो इसे अपनी डाइट में सत्तू को शामिल कर सकते हैं।

वेट लॉस

अगर आप बढ़ते वजन को कम करने की अपनी सभी कोशिशें करके थक चुके हैं तो अपनी डाइट में सत्तू को शामिल कर लें। सत्तू का सेवन शरीर में पोषक तत्वों की कमी पूरी करके पेट को भरा रहने का अहसास करवाता है। जिससे व्यक्ति को बार-बार अनहेल्दी फूड की क्रेविंग नहीं होती और वो ज्यादा खाने से बच जाता है। इसके अलावा सत्तू एक लो कैलोरी और हाई फाइबर सुपरफूड भी है,जो मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने के साथ वजन को कम करने में भी मदद करता है।

आयरन की कमी

सत्तू में मौजूद आयरन की मात्रा शरीर में हीमोग्लोबिन का लेवल बढ़ाकर खून की कमी को पूरा करने में मदद करती है। सत्तू के नियमित सेवन से एनीमिया जैसी बीमारियों को मात दी जा सकती है। बता दें, भारत में ज्यादातर महिलाएं एनीमिया की शिकार हैं, ऐसे में सत्तू का सेवन उनके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. ‘उल्हास विकास’ इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

भाई की गोली मारकर हत्या, फिर पिता ने बेटे को मार डाला, दो सगे भाइयों की मौत

उरई. यूपी के उरई में रामपुरा थाना क्षेत्र के मिर्जापुरा जागीर गांव में सोमवार शाम जमीन के बंटवारे को लेकर हुए खूनी संघर्ष में दो भाइयों की जान चली गई। बहस के बाद एक भाई ने अपने बड़े भाई को गोली से उड़ा दिया। इसके बाद गुस्साए पिता और छोटे भाई ने हत्यारोपी को लाठी से पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने पिता-पुत्र को हिरासत में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। एक साथ दो सगे भाइयों की मौत और तीसरे भाई के साथ पिता को जेल से परिवार में कोहराम मच गया है। मिर्जापुरा जागीर निवासी जय नारायण चतुर्वेदी के बेटों के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। सोमवार को शुरू हुई बहस अचानक जानलेवा हो गई। जयनारायण के दूसरे नंबर के बेटे 30 वर्षीय जितेंद्र उर्फ अल्लू ने तैश में आकर अपने सगे बड़े भाई 45 वर्षीय कैलाश पर तमंचे से फायरिंग कर दी। सीने में गोली लगते ही कैलाश जमीन पर गिर पड़ा और दम तोड़ दिया।

झाड़-फूंक के बहाने बेटी को ले जाकर पिता ने की हत्या, चेहरा एसिड से जलाने का कोशिश

बाराबंकी. यूपी में बाराबंकी के बड्डूपुर नहर पटरी पर 16 वर्षीय किशोरी की हत्या के मामले में चिनहट पुलिस ने पिता और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। बेटी के प्रेम प्रसंग और बदनामी के डर से पिता झाड़ फूंक कराने के बहाने उसे घर से ले गया था। दोस्त व कैब चालक के साथ उसे बाराबंकी लेकर पहुंचा। दुपट्टे से उसका गला घोंटकर मार दिया। पहचान मिटाने के लिए एसिड से चेहरा जलाने की भी कोशिश की थी। बेटी की हत्या के बाद आईजीआरएस पोर्टल पर उसके लापता होने की जानकारी देकर अपने पिता को चिनहट थाने में गुमशुदगी दर्ज कराने के लिए भेजा था। पुलिस उपायुक्त पूर्वी डॉ. दीक्षा शर्मा के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में किशोरी का पिता व उसका साथी ओला कार चालक अब्बास है।

राप्ती में हादसा; रेजिडेंट डॉक्टर और MBBS छात्र की डूबने से मौत

सिद्धार्थनगर. सिद्धार्थनगर जिले में सोमवार को नदी में नहाने गए मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर और मेडिकल छात्र समेत तीन लोगों की डूबकर मौत हो गई। रेजिडेंट डॉक्टर और एमबीबीएस के तीन छात्र बूढ़ी राप्ती नदी में नहाने गए थे। इनमें से दो छात्रों की जान बच गई। वहीं जिले के पथरा बाजार क्षेत्र में राप्ती नदी में दोस्तों संग नहाते वक्त पानी में समा गया। रेजिडेंट डॉक्टर बस्ती के, जबकि मेडिकल छात्र राजस्थान का रहने वाला था। मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर सत्यम नायक जिला बस्ती, एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्र सचिन महावर (22) पुत्र अज्ञात निवासी सवाई माधव सिंह, राजस्थान, विनीत (22) पुत्र वीरेंद्र सिंह निवासी नदुबई, भरतपुर, राजस्थान और एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के ही छात्र नीतेश (22) पुत्र अज्ञात निवासी झुनझुन, राजस्थान सोमवार को नदी में नहाने गए थे।

पहलगाम हमले की पहली बरसी आज

- सेना बोली- भारत कुछ नहीं भूला
- जो हदें लांघेगा उसे मुंहतोड़ जवाब मिलेगा

पहलगाम हमले की 22 अप्रैल को पहली बरसी है। कश्मीर के सभी टूरिस्ट स्पॉट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा है। श्रीनगर से करीब 95 किमी दूर बैसरन घाटी में 22 अप्रैल 2025 को 26 लोगों को आतंकियों ने गोलियों से भून दिया था। तब से यह घाटी बंद है।

बैसरन घाटी में किसी को भी एक तय सीमा से आगे जाने की इजाजत नहीं है। पहलगाम के दूसरे टूरिस्ट स्पॉट बेताब वैली और चंदनवाड़ी तक जाने पर फिलहाल रोक नहीं है।

पर्यटक पहले से 30-40% तक सिमट गए हैं। स्थानीय लोगों में गुस्सा है कि वैली को क्यों नहीं खोला जा रहा। आखिर उनका क्या कसूर है, जो आने वाले सैलानियों पर पाबंदियां लगा दीं।

इधर, भारतीय सेना ने मंगलवार को अपने X हैंडल पर एक पोस्ट किया है, जिसमें आतंकियों और उनके रहनुमाओं को चेतावनी दी है। पोस्ट के साथ जारी तस्वीर में सिंदूर और भारत का नक्शा दिखाया गया है, जिसकी थीम ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी है।

सुरक्षा के लिए हर पोनी-सर्विस प्रोवाइडर का यूनीक QR कोड

पहलगाम आने वाले टूरिस्टों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। हर सर्विस प्रोवाइडर की जांच-पड़ताल की गई है। उन्हें रजिस्टर्ड किया है। उन्हें यूनीक QR कोड दिया गया है। इसमें व्यक्ति की निजी जानकारी और दूसरी डिटेल्स हैं। बैसरन घाटी जैसे पहाड़ी इलाकों में 15 से 20 जवानों की छोटी-छोटी टीमें तैनात की गई हैं ताकि ऊपरी इलाकों से होने वाली घुसपैठ को रोका जा सके। हाल ही में 'स्कैन मी' सुविधा से वहां काम करने वाले पोनी गाइड से लेकर टैक्सी ड्राइवर्स तक की शिनाख्त हो रही है। अब तक 7 हजार लोग इससे जोड़े जा चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-छूने से देवता अपवित्र कैसे होते हैं!

- सबरीमाला के वकील बोले- भगवान अयप्पा ब्रह्मचारी, इसलिए पूजा की प्रथा भी वैसी

नई दिल्ली. सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। कोर्ट ने पूछा, 'मूर्ति छूना ईश्वर का अपमान कैसे हो सकता है और वे अपवित्र कैसे हो जाते हैं।'

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, 'क्या संविधान उस भक्त की मदद के लिए आगे नहीं आएगा, जिसे केवल उसके वंश और जन्म के कारण देवता को छूने से रोक दिया जाता है।'

इस पर सबरीमाला के वकील एडवोकेट वी. गिरी ने कहा किसी भी मंदिर में होने वाले रीति-रिवाज उस धर्म का अभिन्न हिस्सा होते हैं। पूजा देवता की विशेषताओं के उलट नहीं हो सकती। भगवान अयप्पा 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' हैं, इसलिए वहां की परंपराएं उसी के अनुरूप तय की गई हैं।

आज आ सकता है फैसला

सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की संवैधानिक बेंच सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। इसके साथ धार्मिक आस्था के 66 मामले और जुड़े हैं। फैसला कल आने की संभावना है।

केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में मासिक धर्म वाली महिलाओं (10-50 साल) की एंट्री पर रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में बैन हटा दिया। फैसले के खिलाफ कई पुनर्विचार याचिकाएं लगाई गईं, जिसपर अब सुनवाई हो रही है। मंदिर प्रशासन महिलाओं की एंट्री का विरोध कर रहा है।

चुनाव आयोग की टीम से 13 लाख रुपये लूट ले गई भीड़!

- कांग्रेस सांसद के दफ्तर से किए थे जब्त

शिवगंगा. तमिलनाडु के शिवगंगा जिले के कराईकुडी में सोमवार को एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। चुनाव आयोग के फ्लाइंग स्क्वॉड यानी उड़न दस्ते ने शिवगंगा के कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम के कार्यालय पर छापा मारकर 13.44 लाख रुपये की नकदी जब्त की थी। लेकिन कुछ ही देर बाद एक भीड़ ने इस नकदी को अधिकारियों के हाथों से छीन लिया और फरार हो गई। पुलिस ने इस मामले में एक मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है।

गुप्त सूचना पर रेड

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, चुनाव फ्लाइंग स्क्वॉड को एक गुप्त सूचना मिली थी कि मतदाताओं के बीच बांटने के लिए सांसद कार्ति चिदंबरम के कार्यालय परिसर में भारी मात्रा में कैश रखा है। इस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए टीम ने कराईकुडी स्थित उनके कार्यालय पर छापा मारा। वहां से अधिकारियों ने नकदी से भरे दो बैग और एक कपड़े का थैला बरामद किया।

जब अधिकारी अपने वाहन के पास कैश को वेरीफाई कर रहे थे, तभी पलानीअप्पन नामक एक व्यक्ति वहां आ गया। उसने अधिकारियों पर दबाव डाला कि वे कैश की वहीं पर गिनती करें। अधिकारियों ने उसकी बात मान ली; गिनती करने पर कुल रकम 13.44 लाख रुपये निकली। पारदर्शिता के लिए इस पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की गई थी।

भीड़ का हमला और लूट

जैसे ही अधिकारी कैश को अपने वाहन में सुरक्षित रखने की तैयारी कर रहे थे, वहां अचानक लगभग 30 अज्ञात लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। स्थिति बेकाबू हो गई और भीड़ ने अचानक झपट्टा मारकर नकदी वाले बैग छीन लिए और वहां से गायब हो गए। ताकि अधिकारी लुटेरों का पीछा न कर सकें, भीड़ में से ही किसी एक व्यक्ति ने चालाकी से चुनाव अधिकारियों की गाड़ी की चाबी निकाल ली। इसके कारण अधिकारी वहीं असहाय होकर फंस गए।

TCS केस में निदा खान को बड़ा झटका

- प्रेग्नेंसी वाली दलील भी न आई काम
- कोर्ट ने ठुकराई ये मांग

नासिक. नासिक स्थित टीसीएस ऑफिस में कुछ महिला सहकर्मियों के कथित जबरन धर्म परिवर्तन और यौन उत्पीड़न से संबंधित मामले में फरार आरोपी निदा खान को स्थानीय जिला एवं सत्र अदालत ने बड़ा झटका दिया है। सोमवार को अदालत ने निदा खान को अंतरिम सुरक्षा देने से इनकार कर दिया। कोर्ट अब 27 अप्रैल को उसकी अग्रिम जमानत याचिका और अंतरिम राहत की अर्जी पर सुनवाई करेगा। शनिवार को दायर अर्जी में निदा खान ने अपनी दो महीने की गर्भावस्था (प्रेग्नेंसी) का हवाला देते हुए अग्रिम जमानत देने की मांग की थी। लेकिन कोर्ट ने इस चरण पर कोई भी अंतरिम आदेश जारी न करने का फैसला किया।

हालांकि, सुनवाई के दौरान, शिकायतकर्ता के वकील ने लिखित जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगने वाली एक अर्जी पेश की। इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया और कोर्ट ने जवाब दाखिल करने के लिए 27 अप्रैल तक का समय दिया। 26 वर्षीय निदा खान उन आठ आरोपियों में से एक है, जिनके खिलाफ नासिक के एक BPO में कथित यौन उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण कराने के आरोप हैं। निदा अभी भी फरार है, जबकि शेष सात आरोपी गिरफ़्तार किए जा चुके हैं।

इस बीच, निदा खान के पिता ने अपनी बेटे के खिलाफ लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उसे एक बड़ी साज़िश के तहत झूठा फंसाया जा रहा है। निदा खान को TCS नासिक BPO यूनिट की HR हेड के तौर पर पहचाना गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी बेटी के खिलाफ लगाए गए कोई भी आरोप सच नहीं हैं और सुझाव दिया कि यह मामला अन्य मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए गढ़ा गया है, जिसमें नासिक के स्वयंभू बाबा अशोक खरात से जुड़ा विवाद भी शामिल है। हाल ही में खरात एक रेप केस में गिरफ्तार किया गया था।

निदा खान TCS नासिक यूनिट में काम कर रही थीं। हालांकि करीब दो महीने पहले ही उसका ट्रांसफर कंपनी के मुंबई ऑफिस - मलाड और हीरानंदानी में कर दिया गया था। यह ट्रांसफर उसी समय हुआ जब उसके पति, मोइन नवीद इकबाल खान ने मुंब्रा, ठाणे में Amazon Web Services (AWS) में लॉजिस्टिक्स ऑफिसर का पद संभाला था। अब इस कथित धर्म परिवर्तन और यौन उत्पीड़न मामले में नाम सामने आने के बाद, उन्हें नौकरी से सस्पेंड कर दिया गया है और निदा फरार हो गई है। PTI के अनुसार, पुलिस ने शुक्रवार को उसके पति से पूछताछ की थी, जिसमें उसे बताया कि खान 14 अप्रैल को घर से निकल गई थीं और किसी रिश्तेदार के यहाँ रह रही हैं। एक अधिकारी ने बताया कि नासिक पुलिस की अपराध शाखा की एक टीम निदा खान का पता लगाने के लिए ठाणे जिले के मुंब्रा में तैनात है।

UP के मुस्लिम परिवार ने उत्तराखंड में अपनाया हिंदू धर्म

- गंगा में डुबकी लगाई- जनेऊ पहना
- घाट किनारे खड़े संत के पैर चूमे

हरिद्वार. उत्तर प्रदेश के एक मुस्लिम परिवार ने आज हरिद्वार में हिंदू धर्म अपना लिया। नमामि गंगे घाट पर कई संतों की मौजूदगी में परिवार के पांचों सदस्यों का शुद्धिकरण किया गया, गंगा में डुबकी लगवाई गई और फिर मंत्रो उच्चारण के बीच हवन में उन्हें जनेऊ पहनाया गया।

हिंदू धर्म में शामिल कराने बाद उन सभी के नाम भी बदल दिए गए, परिवार के मुखिया मोहम्मद शहजाद अब 'शंकर' बन गए हैं और उनकी पत्नी रजिया से 'सावित्री' बन गई है।

इसी दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें शहजाद घाट किनारे खड़े अपने गुरू अरुण किशन महाराज के पैर चूमते हुए दिख रहा है।

इस पूरे कार्यक्रम में मौजूद संतों ने इसे घर वापसी बताया है। स्वामी प्रबोधानंद महाराज ने दावा किया है कि भारत का हर मुस्लिम पहले हिंदू ही था और सभी को हिंदू धर्म में आकर घर वापसी करनी चाहिए। वहीं शहजाद से शंकर बने युवक ने कहा कि वह बचपन से ही सनातन धर्म में विश्वास रखता था। हालांकि उसने कहा- ये पूरा परिवार उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में रहता है। चंडीघाट पर हुए इस पूरे कार्यक्रम में मौजूद अरुण किशन महाराज ने बताया कि शहजाद लंबे समय से उनके संपर्क में था और लगातार सनातन धर्म अपनाने की इच्छा जता रहा था। उनके अनुसार, पूरा परिवार जब सहमत हुआ तो फिर आज सभी को हिंदू धर्म में शामिल कर लिया गया।

रजिया और शहजाद की दो बेटियों और एक बेटे का भी नाम बदल दिया गया है। बेटे का नाम रूद्र' और बेटियों के नाम 'रुक्मिणी' व 'दिशा' रखे गए हैं।

आनंदलोक अस्पताल में लगी आग

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आनंदलोक अस्पताल में आग लग गई है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं हैं। वहीं, अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों को अन्य सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कराया जा रहा है। अब तक साफ नहीं है कि घटना के समय अस्पताल में कितने मरीज भर्ती थे। साथ ही आग लगने की वजह का भी पता लगाया जा रहा है।

अधिकारी के मुताबिक, सुबह करीब दस बजे उन्हें इस घटना की सूचना मिली जिसके बाद आग बुझाने के लिए तीन अग्निशमन वाहनों को मौके पर भेजा गया। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि साल्टलेक के करुणामयी क्रॉसिंग पर स्थित एक निजी स्वास्थ्य केंद्र की पहली मंजिल पर आग लग गई। उन्होंने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

आग लगने की खबर के साथ ही मरीजों को स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की मदद से शिफ्ट किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनुमान है कि आग लगने के बाद करीब 75 से 80 मरीजों को अस्पताल से बाहर निकाला गया है और दूसरी इमारत में पहुंचाया गया है।

कैबिनेट विस्तार में दिखेगा महिला कार्ड?

- ब्राह्मण पर भी फोकस, OBC से एक नाम तय

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के कैबिनेट विस्तार की चर्चाएं काफी दिन से हैं। कहा जा रहा था कि खरमास के बाद कभी भी कैबिनेट विस्तार हो सकता है। अब जानकारी मिल रही है कि बंगाल चुनाव के बाद कभी भी फेरबदल हो सकता है। इस फेरबदल में कुछ नए मंत्री जुड़ सकते हैं तो कुछ लोगों को संगठन में भेजा जा सकता है। इसके अलावा विभागों में भी परिवर्तन किया जा सकता है। 2027 विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा फिलहाल संगठन मजबूत कर रही है। ऐसे में कुछ सीनियर और तेज नेताओं को संगठन की कमान भी दी जा सकती है। वहीं मंत्री परिषद में जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साधने पर जोर होगा।

लखनऊ से लेकर दिल्ली तक बीते कुछ दिनों में लगातार बैठकें हुई हैं। विनोद तावड़े लखनऊ पहुंचे थे तो कई नेताओं से मुलाकात की थी। इसके अलावा दिल्ली जाकर भी राज्य के दोनों डिप्टी सीएम शीर्ष नेताओं से मिल चुके हैं। फिलहाल संघ की ओर से भाजपा के साथ समन्वय करने वाले अरुण कुमार, पीएम नरेंद्र मोदी, होम मिनिस्टर अमित शाह समेत कई नेताओं के साथ मंथन का दौर चल रहा है। माना जा रहा है कि बंगाल चुनाव के बाद कैबिनेट विस्तार पर अंतिम मुहर लग जाएगी। पहले राउंड में कुछ नामों को तय किया गया है, जिन पर दिल्ली से मुहर लगने का इंतजार है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का इंतजार था और अब पंकज चौधरी को जिम्मेदारी मिल गई है.

IPL में लगातार 4 मैच हारने के बाद जीती मुंबई

- गुजरात को 99 रन से हराया
- तिलक वर्मा का शतक
- अश्विनी कुमार को 4 विकेट

मुंबई इंडियंस ने IPL सीजन में लगातार 4 मैच हारने के बाद जीत हासिल कर ली है। टीम ने सोमवार को गुजरात टाइटंस को 99 रन से हराया। यह इस सीजन किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत है।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सोमवार को गुजरात ने टॉस जीता और गेंदबाजी चुनी। मुंबई ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 199 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम 15.5 ओवर में 100 रन पर ऑलआउट हो गई। मैच का स्कोरबोर्ड

तिलक वर्मा के शतक ने मुंबई को 199 तक पहुंचाया

पहले बैटिंग कर रही मुंबई ने पावरप्ले में 48 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए थे। ओपनर क्विंटन डी कॉक 13, डेब्यू मैच खेल रहे दानिश मालेवर 2 और नमन धीर 45 रन बनाकर आउट हुए।

नंबर-5 पर उतरे तिलक वर्मा ने 45 बॉल पर 101 रन बनाकर मुंबई को 199 रन तक पहुंचाया। इस पारी में 8 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। नमन धीर ने 45 रन बनाए। GT से कगिसो रबाडा ने 3 विकेट लिए।

गुजरात की खराब शुरुआत, पावरप्ले में 3 विकेट गंवाए

200 रन का टारगेट चेज कर रही गुजरात की शुरुआत खराब रही। टीम पहली बॉल पर विकेट गंवाया। जब बुमराह ने साई सुदर्शन को डेब्यू मैच खेल रहे क्रिष भगत के हाथों कैच कराया। टीम ने पावरप्ले में 45 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए थे। इनमें जोस बटलर (5 रन) और कप्तान शुभमन गिल (14 रन) के विकेट शामिल थे।

अश्विनी कुमार ने 4 विकेट झटके

पावरप्ले के आखिरी ओवर में गिल को आउट करने वाले अश्विनी कुमार ने 4 विकेट झटके। उन्होंने राहुल तेवतिया (8 रन), शाहरुख खान (17 रन) और राशिद खान (4 रन) को पवेलियन भेजकर गुजरात की वापसी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। आखिरकार गुजरात की पूरी टीम 15.5 ओवर में 100 रन पर ऑलआउट हो गई।

मुंबई 7वें नंबर पर आई, गुजरात नंबर-6 पर है

MI इस जीत से इस सीजन की पॉइंट्स टेबल के 7वें नंबर पर आ गई है। टीम के पास 4 अंक हैं। वहीं, गुजरात हार के बावजूद छठे नंबर पर है।

MP में 31% महिला कलेक्टर, दक्षिणी राज्यों में 39%

- प्रशासन में भी महिलाओं को बड़ी जिम्मेदारियां देने में राज्य पीछे

नई दिल्ली. देश में महिलाओं को 33% आरक्षण का कानून लागू होने का इंतजार है। हालांकि, प्रशासनिक ढांचे में महिलाओं की भूमिका की बात करें तो यहां भी महिलाओं को बड़ी जिम्मेदारियां देने में राज्य पीछे हैं।

दक्षिण भारत के कई राज्यों में महिला कलेक्टरों की हिस्सेदारी 35 से 39% तक पहुंच चुकी है, जबकि हिंदी पट्टी में मध्यप्रदेश 31% के साथ सबसे आगे है। छोटा राज्य होने के बावजूद सिक्किम में भी यह आंकड़ा 33% तक है।

वहीं हिंदी पट्टी में तस्वीर अपेक्षाकृत कमजोर है। मध्यप्रदेश 55 जिलों में 17 महिला कलेक्टरों (करीब 31%) के साथ इस क्षेत्र में सबसे आगे है। यह हिंदी पट्टी का इकलौता बड़ा राज्य है, जहां आंकड़ा 30% के पार है। ओडिशा (3%) और तेलंगाना (39%) के बीच करीब 10 गुना का अंतर है।

शाह बोले- TMC ने लोगों के साथ धोखा किया

- तमिलनाडु में 234 सीटें
- बंगाल में फर्स्ट फेज के चुनाव के लिए प्रचार समाप्त

नई दिल्ली. तमिलनाडु विधानसभा की सभी 234 सीटों और पश्चिम बंगाल में पहले फेज की 152 सीटों के लिए मंगलवार शाम 5 बजे चुनाव पचार थम गया. बंगाल में दूसरे फेज की वोटिंग 29 अप्रैल को होगी। रिजल्ट 4 मई को आएंगे।

उधर, गृह मंत्री अमित शाह ने दार्जिलिंग में एक रैली की। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस, टीएमसी ने दार्जिलिंग के लोगों और मेरे गोरखा भाइयों के साथ धोखा और अन्याय किया है। मैं वादा करता हूं कि जैसे ही यहां भाजपा की सरकार बनेगी, गोरखाओं की लंबे समय से चली आ रही समस्या 6 महीने के भीतर हल कर दी जाएगी।'

अमित शाह ने आसनसोल के कुलटी में कहा कि पूरे बंगाल में माताओं-बहनों की सुरक्षा नहीं है। ममता दीदी को शर्म आनी चाहिए, एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद संदेशखाली में घुसपैठिया बहनों के साथ अत्याचार करता रहा।

आरजी कर, दुर्गापुर कॉलेज, कलकत्ता लॉ कॉलेज में बहनों-महिलाओं के साथ अत्याचार हुआ। ममता दीदी कहती हैं कि 7 बजे के बाद महिलाओं को घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। ममता दीदी तुम्हारा समय अब समाप्त हो रहा है।

चुनाव आयोग ने CAPF की

सांसद अमृतपाल की गिरफ्तारी के आसार

- NSA खत्म होने से पहले अमृतसर पुलिस डिब्रूगढ़ पहुंची
- थाने पर हमले के मामले में मुकदमा होगा शुरू

नई दिल्ली. पंजाब के खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी को लेकर हलचल तेज हो गई है। पंजाब पुलिस की एक विशेष टीम असम के डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल पहुंच चुकी है, जहां अमृतपाल सिंह फिलहाल National Security Act यानी (एनएसए) के तहत बंद हैं।

अमृतपाल सिंह की एनएसए हिरासत 22 अप्रैल को समाप्त हो रही है। सूत्रों के अनुसार जैसे ही उनकी नजरबंदी खत्म होगी अमृतपाल सिंह को अजनाला मामले में गिरफ्तार करके स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा, जहां से रिमांड लिया जाएगा। इसके बाद मुकदमे की कार्रवाई शुरू होने की संभावना है।

अप्रैल 2023 में किया था अमृतपाल को गिरफ्तार

अमृतपाल सिंह को अप्रैल 2023 में मोगा के रोड़े गांव से गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले फरवरी 2023 में अजनाला पुलिस थाना पर हमले का मामला सामने आया था, जहां वे अपने समर्थकों के साथ मिलकर बैरिकेड्स तोड़कर थाने में दाखिल हुए थे और एक साथी को छुड़ाने के लिए पुलिस से झड़प भी हुई थी। हथियारों के साथ थाने पर धावा बोला।

गिरफ्तारी के बाद ट्रायल की प्रक्रिया तेज

इस मामले में अमृतपाल सिंह समेत कुल 41 लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास, सरकारी कर्मचारियों पर हमला, आपराधिक साजिश और दंगा जैसे गंभीर आरोप दर्ज किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, अमृतपाल इस केस के मुख्य आरोपी हैं और उनकी गिरफ्तारी के बाद ट्रायल की प्रक्रिया तेज की जाएगी। इसके अलावा, अमृतपाल सिंह के खिलाफ विभिन्न जिलों में कई अन्य मामले भी दर्ज हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में यह मामला न केवल कानूनी बल्कि राजनीतिक रूप से भी अहम मोड़ ले सकता है।

संक्षेप...

तेज़ रफ्तार बाइक की टक्कर से स्ट्रीट वेंडर की मौत, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई. साउथ मुंबई क्षेत्र में हाजी अली के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में 60 वर्षीय स्ट्रीट वेंडर की मौत हो गई। एक तेज़ रफ्तार मोटरसाइकिल ने पैदल जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी बाइक सवार को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की पहचान बाबू फैमुद्दीन शेख (60) के रूप में हुई है, जो ताड़देव स्थित लाला लाजपतराय गार्डन इलाके में रहते थे। वे हाजी अली सिग्नल के पास छोटी-मोटी फेरी लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

ठाणे के खराब सीवरेज चैनल बदले जाएंगे

ठाणे. पुराने ठाणे में सीवरेज चैनल 50 साल पुराने हैं और खराब हालत में हैं। इस खराब सिस्टम को बदलने के लिए अमृत योजना 2 के तहत करीब 350 करोड़ रुपये दिए गए हैं। यह काम मानसून के बाद शुरू होगा और विधायक संजय केलकर ने भरोसा जताया कि यह काम डेढ़ से दो साल में पूरा हो जाएगा।पुराने ठाणे में 50 साल पुराने सीवरेज चैनल हैं और वे साइज़ में छोटे और खराब हालत में हैं। अभी, वे बहुत बड़े शहर के मुकाबले काफी नहीं हैं और पतले हैं। इस वजह से, ये चैनल बार-बार लीक हो रहे हैं, जिससे रहने वालों को हेल्थ प्रॉब्लम हो रही है। विधायक केलकर को इस बारे में

लोगों से शिकायतें मिली थीं। इसलिए केलकर ने इन सीवरेज चैनलों को हटाने और उनकी जगह बड़े साइज़ के नए चैनल लगाने के लिए फॉलो-अप किया था।केंद्र की अमृत योजना 2 के तहत मनपा को सैकड़ों करोड़ का फंड मिला है और सीवरेज चैनलों के लिए करीब 350 करोड़ मिले हैं।विधायक केलकर ने बताया कि इन चैनलों को बदलने का काम इस मानसून के बाद शुरू किया जाएगा।इसी बैकग्राउंड में विधायक केलकर ने खोपट में भाजपा ऑफिस में एक जॉइंट मीटिंग रखी थी ताकि यह पक्का हो सके कि लोगों को इस योजना के बारे में जानकारी मिले और उनकी शिकायतें और सुझाव एडमिनिस्ट्रेशन तक पहुंचें। इस मौके पर विधायक निरंजन डावखरे, ऋषिकेश दंडे, डिप्टी इंजीनियर विकास ढोले, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर नदीम काज़ी, अनंत बड़े और डिप्टी इंजीनियर सुनील सजनानी के साथ-साथ उस इलाके के लोगों के रिप्रेजेंटेटिव मौजूद थे जहां चैनल बदले जाने हैं। इस मौके पर, अधिकारियों ने लोगों को इस योजना के बारे में जानकारी दी और कुछ लोगों ने अपनी समस्याएं और सुझाव भी बताए।

अशोक बाबू झामनानी को मिला लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड

उल्हासनगर। उल्हासनगर शहर में पिछले कई वर्षों से मीडिया जगत में कार्य करने वाले अशोक बाबू झामनानी को 19 अप्रैल की रात कल्याण में आयोजित रोशनी कमल फाउंडेशन के चेट जो सिंधी मेलो कार्यक्रम में लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। श्री बाबू झामनानी ने जीवन भर सिन्धियत के लिए कार्य किए हैं जिनमें सिंधी कार्यक्रम, सिंधी सुगंध, न्यूज चैनल, लाइव टेलीकास्ट, सिंधी फिल्म, चालिहा साहिब लाइव टेलीकास्ट और ऐसे ही कई अन्य सिंधी कार्यक्रमों से जुड़े रहे हैं। उनके वर्षों पुराने इस

कार्य के लिए उन्हें लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया है। मीडिया जगत ने बाबू झामनानी के कार्य को हमेशा सराहा है।

ठाणे शहर में प्री-मॉनसून नाले की सफाई का काम युद्ध स्तर पर

मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और कमिश्नर सौरभ राव ने नाले की सफाई के काम का लिया जायजा

ठाणे. शहर के अलग-अलग हिस्सों में प्री-मॉनसून नाले की सफाई का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है और आज मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और कमिश्नर सौरभ राव ने अलग-अलग जगहों पर जाकर नाले की सफाई के काम का जायजा लिया। इस निरीक्षण के दौरान, नाले से निकाली गई गाद को वहीं न रखा जाए बल्कि सूखने के बाद उसे सही जगह पर शिफ्ट किया जाए, साथ ही जहां जरूरी हो वहां नालों की सुरक्षा दीवारों की मरम्मत की जाए और रोबोटिक मशीनरी का इस्तेमाल करके 31 मई से पहले शहर में नाले की सफाई के काम की योजना बनाई जाए।आज घोड़बंदर रोड पर बटाटा कंपनी के पास नाले, कपूरबावड़ी,

कैसल मिल और वर्तकनगर में थिरानी स्कूल के पास के नाले का निरीक्षण किया गया। इस नाले की सफाई के निरीक्षण दौरे के दौरान डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल, स्थानीय नगरसेवक विमल भोईर, नंदा पाटिल, एडिशनल कमिश्नर 2 प्रशांत रोडे, डिप्टी कमिश्नर मधुकर बोडके, दिनेश तायडे, सबअर्बन इंजीनियर (पानी सप्लाई) विकास ढोले, सबअर्बन इंजीनियर (बिजली) शुभांगी केसवानी, असिस्टेंट कमिश्नर सोनल काले, गणेश चौधरी के साथ एग्जीक्यूटिव इंजीनियर मौजूद थे।

मुंब्रा इलाके से नाले की सफाई शुरू हो गई है और ठाणे शहर में भी नाले की सफाई के काम ने रफ्तार पकड़ ली है, इसलिए मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने भरोसा जताया कि इस साल मई के आखिर तक सभी नाले की सफाई का काम पूरा हो जाएगा। ठाणे शहर में 186 किलोमीटर नाले साफ करने का प्लान बनाया गया है। इस साल अलग-अलग वार्ड में नाले साफ करने के लिए सात कॉन्ट्रैक्टर रखे गए हैं, जिससे काम की रफ्तार बढ़ गई है। कमिश्नर सौरभ राव ने बताया कि नाले से निकाली गई गाद को सही जगह पर पहुंचाकर उसका साइंटिफिक तरीके से निपटान करने पर खास जोर दिया जा रहा है।

शहर के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे नाले की सफ़ाई के काम का रोज़ रिव्यू किया जा रहा है, और जिन कॉन्ट्रैक्टर के पास मैनपावर या मशीनरी की कमी पाई जाती है, उन्हें तुरंत मदद देने के निर्देश दिए गए हैं। इंस्पेक्शन के दौरान, यह देखा गया कि कुछ जगहों पर पुरानी पुलिया, साथ ही कैसल मिल में नाले पर बना पुल भी खराब हो गया है, और संबंधित डिपार्टमेंट को VJTI के ज़रिए इस पुल का स्ट्रक्चरल ऑडिट करने के निर्देश दिए गए हैं.

मज़दूरों की सुरक्षा पर ज़ोर

जहां रोबोटिक मशीनों की मदद से नालों की सफाई मुमकिन है, वहां रोबोटिक मशीनों की मदद से नालों की सफाई का काम चल रहा है। लेकिन जहां नालियां पतली हैं, वहां मैनपावर से नालों की सफाई का काम किया जा रहा है। कमिश्नर सौरभ राव ने कहा कि मज़दूरों के लिए रबर बूट, ग्लव्स, मास्क के साथ सुरक्षा के उपाय किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि संबंधित कॉन्ट्रैक्टर को मज़दूरों के लिए फर्स्ट एड किट रखने के निर्देश दिए गए हैं।डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल ने इस साल अप्रैल में नालों की सफाई शुरू करने के लिए मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और कमिश्नर सौरभ राव को धन्यवाद दिया। इस साल की शुरुआत में शुरू हुए नालों की सफाई के काम से बाढ़ को रोकने में मदद मिलेगी। स्थानीय कॉर्पोरेटर नंदा पाटिल ने मांग की कि साल में दो बार नालों की सफाई की जाए। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे अपना कचरा नाले में फेंकने के बजाय बेल कार्ट में डालें।

पुरानी पेंशन' की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल

सिविल अस्पताल के कामकाज पर असर

राज्य सरकार के कर्मचारियों, टेक्निकल कर्मचारियों और नर्स फेडरेशन की मिली-जुली भूमिका; सेवाएं बाधित

ठाणे. पेंडिंग मांगों को लेकर राज्य सरकार कर्मचारी एसोसिएशन, ग्रुप 'D' क्लास IV कर्मचारी फेडरेशन, टेक्निकल कर्मचारियों और नर्स फेडरेशन ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया है। इस हड़ताल का सीधा असर सिविल अस्पताल के कामकाज पर साफ देखा गया।यह हड़ताल पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने, डायरेक्ट सर्विस भर्ती प्रक्रिया को तुरंत लागू करने, 1981 के सरकारी फैसले को फिर से लागू करने, कैशलेस इंश्योरेंस स्कीम लागू करने और संबंधित लोगों को कार्ड जारी करने, और नर्सों को ट्रांसफर प्रक्रिया से बाहर रखने जैसी कई ज़रूरी मांगों को लेकर बुलाई गई है।

स्टेट गवर्नमेंट एम्प्लॉइज एसोसिएशन (सिविल हॉस्पिटल) के प्रेसिडेंट अनिल घेगड़मल, नर्सेज फेडरेशन की प्रेसिडेंट स्नेहा ठाकुर और टेक्निकल डिपार्टमेंट के मनोहर गर्जा, शर्मिला पठारे वगैरह की लीडरशिप में हुए इस प्रोटेस्ट में बड़ी संख्या में नर्स, टेक्निकल स्टाफ और क्लास IV एम्प्लॉई शामिल हुए।इस हड़ताल से सिविल हॉस्पिटल में रेगुलर सर्विस में रुकावट आई है। मरीजों को ज़रूरी सर्विस मिलने में देरी हो रही है, और एडमिनिस्ट्रेशन के सामने दूसरा सिस्टम बनाने की बड़ी चुनौती है।इस बीच, एम्प्लॉई यूनियन ने चेतावनी दी है कि उनकी मांगें तुरंत मान ली जाएं, नहीं तो प्रोटेस्ट और तेज़ किया जाएगा।

टॉरेंट पावर द्वारा कर्मचारियों के लिए अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण सत्र

अग्निशमन सेवा सप्ताह

भिवंडी. राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर, टोरेंट पावर लिमिटेड, भिवंडी ने अपने परिसर में एक व्यापक 'अग्निशमन सुरक्षा जागरूकता और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रशिक्षण कार्यक्रम' का आयोजन किया. इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों के बीच तत्परता, रोकथाम जागरूकता और आपातकालीन स्थिति में कार्रवाई करने की क्षमताओं को बढ़ाना था. सत्र का संचालन भिवंडी निजामपुरा शहर महानगरपालिका अग्निशमन दल के अधिकारियों और कर्मियों द्वारा किया गया.

गौरतलब हो कि,टोरेंट पावर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अग्निशमन केंद्र प्रभारी नरेंद्र बावने के नेतृत्व में आई टीम ने वास्तविक जीवन के अग्निशमन अनुभवों से प्राप्त व्यावहारिक जानकारी साझा की.प्रतिभागियों को आग से बचाव की तकनीकों, औद्योगिक वातावरण में होने वाले सामान्य खतरों और आपातकालीन स्थितियों के दौरान की जाने वाली सही कार्रवाई के बारे में शिक्षित किया गया.कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अग्निशमन उपकरणों का लाइव प्रदर्शन रहा, जहाँ अग्निशमन अधिकारियों ने आग की विभिन्न श्रेणियों के बारे में बताया और अग्निशमन यंत्रों एवं सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग का प्रदर्शन किया. कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से इसका अवलोकन किया और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं की व्यावहारिक समझ हासिल की, जिससे यह सत्र अत्यंत आकर्षक और उपयोगी रहा.

कार्यक्रम में टोरेंट पावर भिवंडी उपाध्यक्ष, महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों सहित कर्मचारी शामिल थे.जनसंपर्क अधिकारी चेतन बदियानी का कहना है कि, जनजागरुकता हेतु किया गया आयोजन कार्यस्थल की सुरक्षा और कर्मचारियों के कल्याण के प्रति कंपनी की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है. जागरूकता सत्र काफी जानकारीपूर्ण और प्रभावशाली रहा, जिसने कर्मचारियों के बीच अग्निशमन सुरक्षा के प्रति चेतना को मजबूत किया. राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह की पहल के तहत, संगठन में सुरक्षा और तत्परता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए टोरेंट पावर के विभिन्न अन्य कार्यालयों में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए.

ठाणे के कई इलाकों में दो दिन तक पानी नहीं

ठाणे. मनपा क्षेत्र के अंतर्गत में मुंब्रा, दिवा, कलवा, माजीवडा-मानपाड़ा और वागले प्रभाग समिति में महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा पानी सप्लाई किया जाता है। महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की वॉटर सप्लाई स्कीम के तहत, जांभूल वॉटर प्यूरिफिकेशन सेंटर के रिज़र्वॉयर पर बारवी ग्रेविटी चैनल नंबर 1, 2 और 3 पर चैनलों का अपग्रेडेशन और अर्जेंट मेंटेनेंस किया जाएगा।इसलिए गुरुवार को 23 को दोपहर 12 बजे से शुक्रवार, 24 को दोपहर 12 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए वॉटर सप्लाई बंद रहेगी।इस शटडाउन पीरियड के दौरान, दिवा, मुंब्रा वार्ड नंबर 26 और 31 के कुछ हिस्सों को छोड़कर और ठाणे मनपा के तहत कलवा प्रभाग समिति और वागले प्रभाग समिति के तहत कोलशेत खालचा गांव के सभी इलाकों में 24 घंटे के लिए पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद रहेगी। नागरिकों को ध्यान देना चाहिए कि पानी की सप्लाई फिर से शुरू होने के बाद अगले 1 से 2 दिनों तक पानी की सप्लाई कम प्रेशर पर रहेगी।साथ ही मनपा के वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट ने अपील की है कि वे इस वॉटर कट पीरियड के दौरान पानी का कम इस्तेमाल करके ठाणे मनपा का सहयोग करें।

वडाला में आग से निजी बसों का नुकसान

मुंबई. मुंबई के वडाला इलाके में स्थित आरटीओ पार्किंग में सोमवार को दोपहर में अचानक आग लगने से यहां खलबली मच गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। इस घटना में तीन निजी बसें जलकर खाक हो गई है। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। फायर ब्रिगेड के अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि मुंबई के वडाला टीटी इलाके में स्थित आरटीओ पार्किंग खड़ी बसों में आग लगने सूचना मिली थी।

आलिया भट्ट के नाम पर पाकिस्तान में फर्जीवाड़ा

- एक्ट्रेस की AI एडिट फोटो से बेच रहे कपड़े
- अलग-अलग इवेंट्स से उठाई तस्वीरें

पाकिस्तानी क्लोदिंग ब्रांड 'वजायशा ऑफिशियल' आलिया भट्ट की कुछ तस्वीरें पोस्ट कर विवादों में आ गया है। आलिया इन तस्वीरों में एथनिक कलेक्शन में नजर आ रही हैं।

लेकिन यह कोई ऑफिशियल शूट नहीं है, बल्कि आलिया की पुरानी तस्वीरों को AI और डिजिटल एडिटिंग के जरिए ब्रांड के कपड़ों पर सुपरइम्पोज (चिपकाया) किया गया है। पाकिस्तानी ब्रांड आलिया की AI तस्वीरों के जारिए अपने सिल्क कलेक्शन का प्रमोशन कर रहा है।

ऐसे पकड़ी गई चोरी

16 अप्रैल को ब्रांड ने इंस्टाग्राम पर एक कैरोसेल पोस्ट किया। इसमें आलिया को गहरे लाल, टील और ब्लैक कलर के सिल्क सूट में दिखाया गया। ब्रांड ने कैप्शन में लिखा- 'आलिया भट्ट को भी हमारा शीशा सिल्क कलेक्शन पसंद है।' लेकिन गौर से देखने पर पता चलता है कि ये तस्वीरें एक्ट्रेस के अलग-अलग इवेंट्स से उठाई गई हैं।

इसमें आलिया का 2024 का लोरियल पेरिस रैंप वॉक वाला 'वेट हेयर लुक' और उनके सब्यसाची फोटोशूट के गहनों का इस्तेमाल किया गया है। यहां तक कि फरवरी 2026 के गुच्ची मिलान फैशन वीक के उनके लुक को भी एडिट किया गया

भिवंडी में दिव्यांग सहायता शिविर का आयोजन

132 दिव्यांग लाभान्वित

भिवंडी. श्री भैरव सेवा समिति भिवंडी एवं श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (BMVSS), जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय पुष्पतराज एस.जैन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर 2 दो दिवसीय दिव्यांग सहायता शिविर का सफल आयोजन राजनोली स्थित मूक वधिर विद्यालय में सम्पन्न हुआ. शिविर का उद्देश्य दिव्यांग जनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था.शिविर में 32 मोटराइज्ड ट्रायसाइकिल, 10 ट्रायसाइकिल, 20 व्हीलचेयर, 43 श्रवण यंत्र, 10 कृत्रिम पैर,हाथ, 17 कैलिपर आदि का निःशुल्क वितरण 132 दिव्यांग जनों को प्रदान किया गया.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तातेड़ साहब ने अपने संबोधन में कहा कि, श्री भैरव सेवा समिति पिछले कई वर्षों से दिव्यांगजनों की सेवा में निरंतर कार्यरत है. उन्होंने समिति के संस्थापक स्वर्गीय श्री राजमल जैन एवं उनके चारो भाई एवं परिवार के सेवा कार्यों की सराहना की.इस अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, अहमदाबाद शाखा से रमेश जी चोपड़ा एवं एम. एम. भट्ट विशेष रूप से उपस्थित रहे. उन्होंने विद्यालय के कर्ण बधिर विद्यार्थियों के लिए साइंस एवं मैथ्स लैब स्थापित करने की घोषणा की, जिसे उपस्थित जनों ने सराहा.शिविर में भैरव परिवार से प्रकाशचंद्र जैन, जयपुर फुट मुंबई शाखा के नारायण व्यास, डीसीपी शशिकांत बोरटे, एसीपी विजय मराठे, उपमहापौर भिवंडी तारिक मोमिन, कोनगांव पुलिस स्टेशन वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नेतराम म्हस्के तथा शांतिनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड़ ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई.

कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री भैरव सेवा समिति अध्यक्ष श्री गगन जैन, सचिव अनिल जैन, सदस्य सुरेंद्र जैन एवं अमित छाजेड़ सहित सभी कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा.

ठाणे जिला स्पोर्ट्स टैलेंट डेवलपमेंट सेंटर के लिए करें आवेदन

ठाणे. डायरेक्टरेट ऑफ़ स्पोर्ट्स एंड यूथ सर्विसेज़, महाराष्ट्र स्टेट पुणे के ज़रिए राज्य में स्पोर्ट्स के डेवलपमेंट के लिए "मिशन लक्ष्यवेध" नाम की एक बड़ी पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत स्पोर्ट्स और एथलीट, स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सिस्टम, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन का ऑर्गनाइज़ेशन, एथलीट के लिए प्रोत्साहन और अवॉर्ड, एथलीट के लिए करियर गाइडेंस, प्लेयर्स की काबिलियत के डेवलपमेंट के लिए घरेलू और विदेशी ऑर्गनाइज़ेशन की भागीदारी को डेवलप किया जाएगा। इसके मुताबिक, ठाणे जिला लेवल पर टेबल टेनिस, शूटिंग और वेटलिफ्टिंग के लिए स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर शुरू किए जाएंगे और टैलेंटेड एथलीट को हाई-लेवल ट्रेनिंग के मौके दिए जाएंगे। ठाणे जिला के तहत जिला स्पोर्ट्स टैलेंट डेवलपमेंट सेंटर में हर स्पोर्ट के लिए 20 प्लेयर्स का सिलेक्शन टेस्ट प्रोसेस ऑर्गनाइज़ किया जा रहा है।

PUBLIC NOTICE

This is to inform to the general public that my client Mr. Abdullah Sherjama Khan has purchased the property mentioned in the schedule herein below from the legal heir of Late Mr Satanji alias Satvaji Bhalerao.

SCHEDULE OF PROPERTY

All that piece and parcel of property known as Room adm. about 450 Sq.ft., situated at Kaushal Nagar, Near Subhash Kirana Store, Behind UMC Swimming Pool, Ulhasnagar-421003, Dist. Thane, assessed under Ward No.29, New Property No.29CO005199400, hereinafter called the "Said Property".

That if any person/s, authority/ies has/have any kind of right, interest, share or any nature of claim over the above said property or any part thereof then same may be written / submitted to undersigned along with documentary evidence within Fifteen Days from the date of publication of this notice and thereafter all objections shall be treated as null and void and my client shall be at liberty to get the said property transferred in his name in all the Government and Semi Government records.

Sd/-
B. R. Singh
Advocate High Court
Sai Sangam Apt., Flat No.304, 3rd Floor,
Behind Cablewala, Shantinagar, Ulhasnagar-421003

आम सूचना

मैं श्री श्यामलाल मोहनदास हासीजा सभी को सूचित कर रहा हूं कि हॉफ शेयर बैक पोर्शन रुम नं. 7, 280 स्क.फुट, बैरक नं. 593, उल्हासनगर- 2 (टैक्स नं. 19बीआय016101800(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती लता श्यामलाल हासीजा के नाम पर है। श्री अजय श्यामलाल हासीजा व श्रीमती विनिता दीपक हिंदूजा उर्फ मिस चांदनी श्यामलाल हासीजा ने रिलीज एग्रीमेंट द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री श्यामलाल मोहनदास हासीजा

आम सूचना

मैं श्री जीतेंद्र हिरालाल कोष्टी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम नं. 1, बैरक नं. 1416 के पास, चारंग बाबा नगर, मराठा सेक्शन, उल्हासनगर- 4 (टैक्स नं. 41सीआय009295500) उक्त प्रॉपर्टी श्री हिरालाल शंकर कोष्टी के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 30.1.2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री जीतेंद्र हिरालाल कोष्टी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099